

---

# Shabarapragadavarnanam Giti

---

## शबरप्रगादवर्णनगीतिः

---

### Document Information

---

Text title : Shabarapragadavarnanam Giti

File name : shabarapragAdavarNanagItiH.itx

Category : shiva, vAsudevAnanda-sarasvatI

Location : doc\_shiva

Author : vAsudevAnandasarasvatI TembesvAmi

Description-comments : From stotrAdisangraha

Latest update : May 12, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 12, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

शबरप्रगादवर्णनगीतिः



गीतिः

विभूतिभर्त्रेऽन्वहमर्षयन् चिताविभूतिमास्वैकदिने स नोचिताम् ।  
गात्रार्धभस्म प्रददौ धनञ्जयच्छात्रस्तदाऽभूद्वरदः पुरञ्जयः ॥ १ ॥  
शङ्करभजनं संसृतिभञ्जनं किङ्करञ्जनं मायातमोऽञ्जनम् ॥ ध्रु ।  
भाविकजीवनं पावनपावनं आर्तपरावनं शान्तिमहावनम् ॥ १ ॥  
मत्वा धनञ्जयभूपानुशासनं शबरोऽप्यकरोल्लिगसमर्चनम् ॥ २ ॥  
नवचितिभूतिं शबरोऽनुदिनं भूतिवरायादददनुसवनम् ॥ ३ ॥  
एकदिने स काप्यलभन्न भस्म स ऐच्छच्छबरो निधनम् ॥ ४ ॥  
आह तदा स्त्रीः कुरु सदानेन सहदयितार्धस्ववपुर्दहनम् ॥ ५ ॥  
स तथा दग्ध्वा भसितेन तेन शङ्करपूजनमकरोददीनः ॥ ६ ॥  
आह्वयदङ्गनामर्चनावसान ईशस्तुष्टोऽदर्शयदङ्गनाम् ॥ ७ ॥  
प्रादुर्भूत्वा स्वयमीशानस्ताभ्यां प्रददौ स निजस्थानम् ॥ ८ ॥  
यस्य न मानं तव महिमानं तमजानुदिनं स्मरामि नूनम् ॥ ९ ॥  
श्रद्धाभक्तिर्मे न न तेऽर्चनं जाने क्षमस्वापराधमीशान ॥ १० ॥  
इति वासुदेवानन्दसरस्वतीयतिकृतविनतिं शृण्वीशान ॥ ११ ॥  
इति श्रीवासुदेवानन्दसरस्वतीविरचिता शबरप्रगादवर्णनगीतिः समाप्ता ।

pdf was typeset on May 12, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

